

...नाजपाजपानीसहस्रनिवद

॥ १००० ॥

...चक्रमहाब्रह्माय ज्ञेयी गीग
...यपूर्वद्युःकृताजपाजपानीष
...निवदयामिनमः॥ ६ ॥ ध्यात्वा
...हाराडपूजयन् ॥ ६००० ॥



...मिपुनचक्रमीमहीसहीनायवि
...यपूर्वद्युःकृताजपाजपानीष
...निवदयामिनमः॥ ३ ॥ ध्यात्वा
...हाराडपूजयन् ॥ ६००० ॥

...रत्नाष्ट्रानवक्रमयतीमहिना
...यवक्रलेवर्षद्युःकृताजपाजपा
...निवदयामिन
...ध्यात्वा मामसिपद्मथानिपूजयन् ॥ ६००० ॥

...चक्रगोमय
...द्विसहिनायपूर्व
...कृताजपाजपानीष
...निवदयामीनमः
...ध्यात्वा मानसं गणेश
...यन् ॥ ६००० ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

H-33

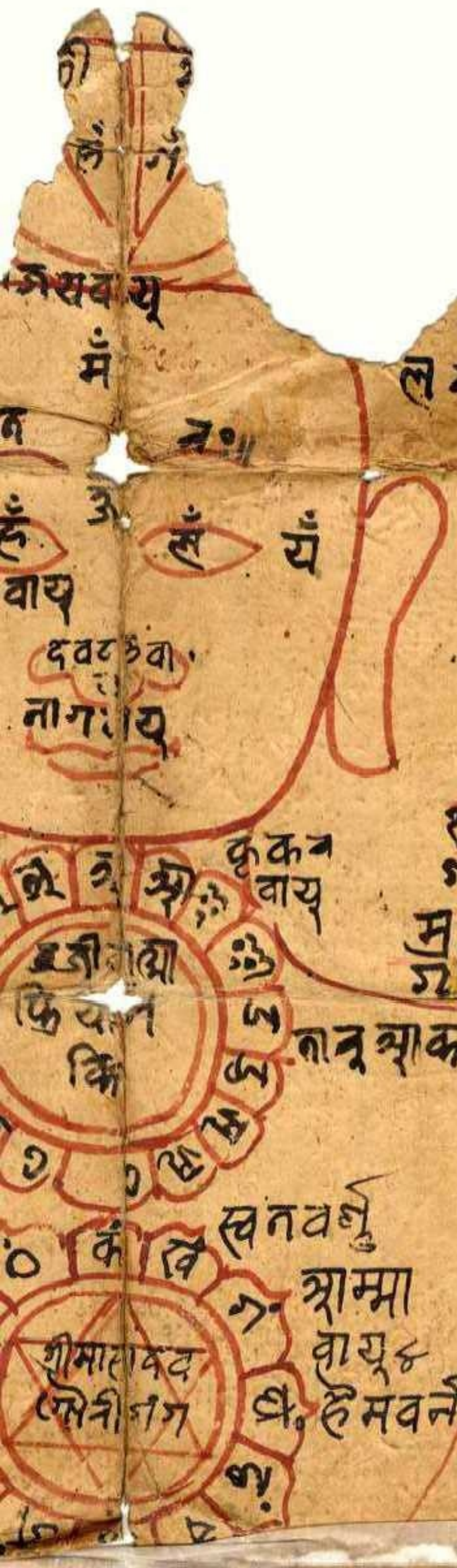


समस्तमन्त्रद्वी
यवनसुन...
विष्णु...
पादाद्यानं...

चक्रवर्त्तस्त्वानसर्वेषु सवर्त्तु वसहितं
 कलिकायस्मिन्नायुशीगुर्वनाथयस्त्रादि सर्वम
 देवनात्मकायपूवैद्योऽकृता ॥ विष्णवापिनमात्र
 त्यादि। नैतिकलानि त्याद्वैदसहसुपणकं ललिया
 नित्यानित्यसमसुपूर्वप नितसुलस्व न ल ल
 वीगुननाथदवपनमैविश्वस्य चिन्तादिर्ण ॥ इति अल
 ल्यहगल्य धनपृथिवीकसुभनरवीधूपनवायुदीधन
 वनेनसपूनः ॥ इति प ॥ अथपनावः पू ॥ ॥ ॥ ॥
 याम्नि ॥ अथनि ॥ श्री सुननाथपंचमूह ॥ ॥ ॥
 सा सा गप्रमन ॥ आसुसुनमूडाडीचतुनममूडा
 मूडावृणममूखमूडासः ॥ जानिमूडा ॥ इति नरुदी ॥
 मे नारि ॥ ४ जान् त्यामवनीनत्यापे वा ॥ अथपतने
 गुन ॥ असा ॥ अथनमस्त्वानः ॥ इति साभि वसा दद्या वा वामान
 ससुष्ठुधयावद्यापयौवपात्रि त्यासाटा ॥ अथप्रमति ॥ ४ सु
 ना ॥ नत ॥ सहसुद नस विदामयै विरु महीन त्यावदि
 जत ॥ वक्षु प्राति क कर्ममन ॥ अनरुनसा ॥ अथविद
 ल नाट ॥ यवेवायामूखायप्रत्यहं प्रिया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मन

अथवाचकरन ॥ अथविद ॥ अथविद ॥
 (अथकलिकायौशीसदाभिवाय ॥ अथनमकिर
 नासहसुनिवदयामिनमः ॥ अथत्यापवि
 योजगत्कानलवि ॥ अलीलुमनकदहनिल ॥ अथछंदमात्म
 यावताडागविरुतिरुतेतुवनरावकदीपाकनैप्रत्यडाकनाव
 ग्रहचपनमात्मानविजुलावयता ॥ पथापयान ॥ पूजनपूववत ॥

१ ध्यान ॥ वी ॥
 मकिरु
 मा ॥ ॥ ॥
 नानुआकाग
 वत ॥ ॥ ॥
 अनाहतरुदुहानदादसा ॥ अनदादसासकि
 तल्लिकायास्मिन्नायमहात्रुदायमोनीन ॥ अ
 हिनायपूवद्य ॥ ॥ करवगद्यदवचुजसपू
 काद्य ॥ अगगने ॥ अकलितद नपंकन हपाव
 नैकानममकका ॥ टिकिननप्रत्यकपेनाकि
 ॥ अमकटका मगीवनारुयचुनेयु क केने ॥ के
 वयाग्यदलीननूपनवनेरमामनीचिनता



श्रीमहादेव
 श्रीगणेशाय नमः
 नतवर्त्तु
 पुनक

कोष्ट। षष्ठे गने ४५ कस्थितदन्तपंकनरुपाणि
नैकाकममाकका । टिकिननपुर्याकेयनादि
। मर्कटकामृगीवनीरुयचूमेयुक्तकेनेयेवे
दयाग्यदलानूपनधनेरेमामनीचिन्न

मणिपूव कृचक्रदशद्वयमवर्तुदलाजि
सकिरुर्कलीमहीसहितायविष्णुवत्प्राज
नी॥ ॥ उठलतथदधनपद्म॥ ॥ ३४ ॥ लान
युकलिनदसोनपद्मानिविष्णुदनि
कितलानकृष्णनलसत्कयुनललाहलानि
गतादिसखमपनपीनामनृकेतुलमाहृष्ट
निमादियूनवमजानानायनचिन्मथनप्रापुजन
ववन्॥ ३

१॥ स्वस्तिस्तुतयः कृष्णमिहानपीतवर्णं च नमः
 त्वनननियुक्तमधकलुकार्यागमयतीसहि नाराय
 द्रलपूवैकृता॥ ॐ नितिवद्यधायन॥ वरुमयन
 लसंग्रनकुने ४ कुपयणसुमितमूपनितिविषयंकड
 द्रयानि। अरुयवनदहनकलुनामकुमानोदधतमन
 नृपः चित्तयद्यजानि॥ पूजनं पृथक् वत् ॥ २ ॥

१ आधनचक्रपृथास्नानचतुर्दशकवर्णचतुर्दशमस्तु
य॥ ॥ वनप्रसन्नयुक्तसमग्नधनपद्मनवलनत्रिगुणवा
ननास्यतिनग्न। अरुयवनदहर्स्वचान्नयाग्नकैश्वर्यकनयू
लसनाजीविनयदादिमूर्ति ॥ इति ध्यात्वा गुणपूजापत्रम्
पश्चात्पराधीपूजयन् ॥ १

नवा
विनन.२.
सुतन ३
निनन ४
पानान ५
नवानन ६
नसानन ७
अनो ८ सफ पानान

समूहमय दती
पवनसुनतुन
वर्ष, पवित्र मंडुल्य
दाघानैकुसम

उर्व वक्राली ऊय भाम अदि



कोमात्री सिक सकि मृख ऊय



गमगमस



गम श्रीग



यक यकणी



पंचखन

आगिनि



क दवासाय

उग गल



दकि वतुक

पंचखन



दन्द

अग्नि क



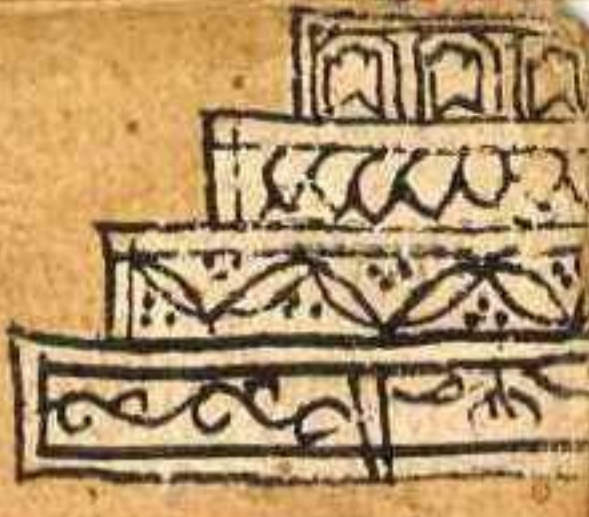
पष्टिम कर



पुलीन



दन्द



दन्द



दन्द

समन्ततः शिव आदि नृपुनवसूनकल

दधनशाळा कवामककचनिकाचाना

द्वन्द्व

द्वन्द्व

वली



संमन्त्रः ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ पुदि नपूनवसूनकल
 रुषनञ्जलु कवानकद्रुचिकाञ्जना
 श्रीमहाशुनवयाचुनिका सदिसि वीवक
 नसवाकचिगजानजयदव आयोकाय
 नववक वासुदव विवीकम मधूसदन
 ठक्कासनयाथा

पूर्वसुसवायना पूर्वसथागिनियाक लिपाण दकिन
 तदक न कमलि पल्लिमयानि न तदगि न तदगल
 नायवयनस

शान्ताख्या

नाद

चि

गल



स्वस्त्याथदिनीक गल गिनना पुनया नानागल
 १ द्वन्द्वानि न स्वर्वाग थागिनीयाक लिपाण गल सथा

पूर्व

श्रीश्रीश्रीगनरसाञ्जयनाक न सवायना



पुनरुक्त वज्रावाय भुक्त श्री महाविहार

४-३३



नीपमाद

माहृष्वनो

अ



वृत्तीका। न्नासिक पासिक
रनिह



कोमात्राद

वधविद्वन्नायक

समादृष्टी

यन्त्र

शिव

विष्णु

ब्रह्मा

शिव

विष्णु

ब्रह्मा

धलुत्र

गण

कनक

कर्म

सिद्धि

वस्त्र

वस्त्र

नाथ

शिवचरित्र

शिविका

पञ्चावली

आमिभक्त्या

वाचकुरु

शिवनिर्वाण

सर्वसि

शिवचिनिर्वाण

वदी

वदी

वदी

वदी

वदी

वदी

वदी

वदी

वदी

वदी

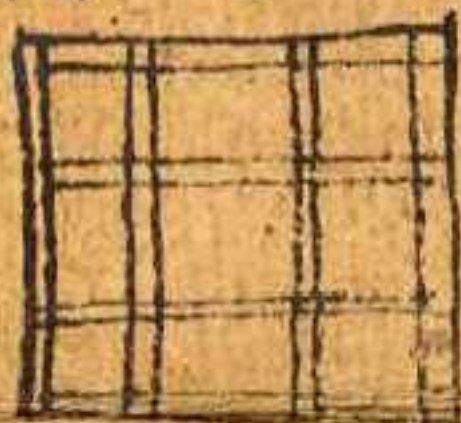
वदी



रविचिनिवलि



पैरगव



रश्मीरजयरूपनिन्दमल्लदव

जजमान



रश्मीरमल्लरूपनवयागरूपनकायायाकनसुडानिद, चयड्ड
नगनलूनीकाया, गड्डनयाकायउ निद, जजमान श्रीर
पनिन्दमल्ल, लताचकनाज, आशिवानकृष्ण, विष्णु कानि
जयदव, डायकाय, तव धीक, कासूदव, विवीकम, म
सूदन